बोल सुवा राम राम

राम किया सुख उपजे और कृष्ण किया दुःख जाये
एक बार हरी ॐ रटे तो भव बंधन मिट जाय

बोल सुवा राम राम
मीठी मीठी वाणी रे
बोल सुवा राम राम
बोल सुवा राम राम
मीठी मीठी वाणी रे बोल सुवा राम राम ।

सोने के डाल सुवा पिंजरों घलाउ रे
पिंजरे में मोत्यां वाली झालरी लगाउ रे॥
बोल सुवा राम राम
मीठी मीठी वाणी रे।

चंपा के डाल सुवा हिंडोरो घलाउ रे ,
हिंडोरे बिठा म थाने हाथ स्यु हिंडावु रे॥
बोल सुवा राम राम ।

घिरत मिठाई सुवा लापसी बनाऊ रे,
आँवले रो रस तने घोल घोल पावू रे ॥
बोल सुवा राम राम मीठी मीठी वाणी रे
बोल सुवा राम राम

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1843/title/bol-shubha-ram-ram-mithi-mithi-vani-re-bol-shubha-ram-ram-

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |